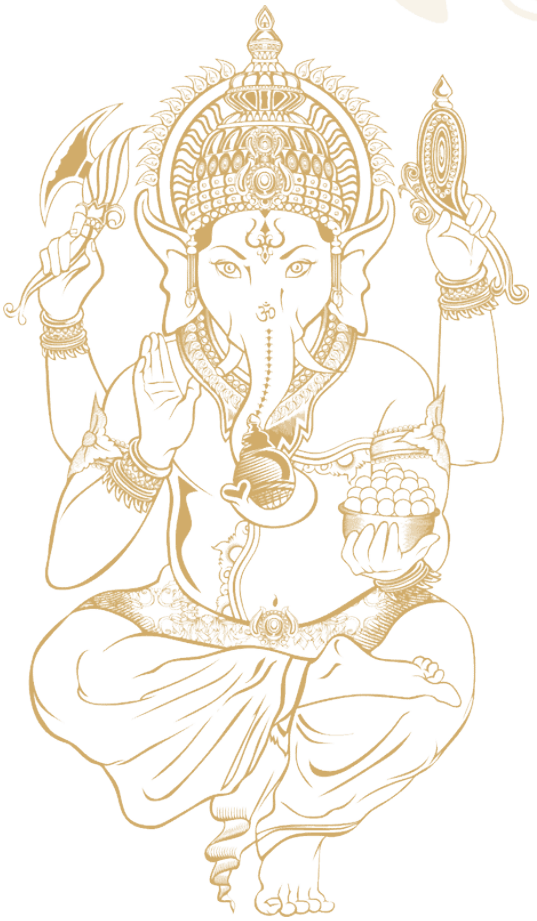

Mr.suraj

Ms.priti

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121921704

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
4-05/08/1996	जन्म तिथि	26/11/2001
रवि-सोमवार	दिन	सोमवार
घंटे 04:00:00	जन्म समय	11:25:00 घंटे
घटी 56:48:11	जन्म समय(घटी)	12:47:22 घटी
India	देश	India
Motihari	स्थान	Motihari
26:40:00 उत्तर	अक्षांश	26:40:00 उत्तर
84:55:00 पूर्व	रेखांश	84:55:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे 00:09:40	स्थानिक संस्कार	00:09:40 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:16:43	सूर्योदय	06:18:03
18:34:53	सूर्यास्त	16:57:13
23:48:39	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:43

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
केतु 5वर्ष 2मा 18दि	01:33:31	कर्क	लग्न	मक	24:42:58	शनि 0वर्ष 11मा 26दि
सूर्य	18:58:53	कर्क	सूर्य	वृश्चि	10:09:41	केतु
23/10/2021	03:23:43	मेष	चंद्र	मीन	15:58:21	22/11/2019
24/10/2027	12:59:33	मिथु	मंगल	मक	26:56:24	22/11/2026
सूर्य 10/02/2022	11:17:46	सिंह	बुध	वृश्चि	05:17:58	केतु 20/04/2020
चन्द्र 12/08/2022	15:21:25	धनु व	गुरु व	मिथु	20:53:35	शुक्र 20/06/2021
मंगल 17/12/2022	04:16:05	मिथु	शुक्र	तुला	28:18:20	सूर्य 26/10/2021
राहु 11/11/2023	13:20:44	मीन व	शनि व	वृष	18:12:05	चन्द्र 27/05/2022
गुरु 29/08/2024	15:52:53	कन्या	राहु व	मिथु	03:30:48	मंगल 23/10/2022
शनि 11/08/2025	15:52:53	मीन	केतु व	धनु	03:30:48	राहु 10/11/2023
बुध 18/06/2026	08:22:21	मक व	हर्ष	मक	27:19:29	गुरु 16/10/2024
केतु 24/10/2026	02:05:50	मक व	नेप	मक	12:32:26	शनि 25/11/2025
शुक्र 24/10/2027	06:31:55	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	20:48:21	बुध 22/11/2026

लग्न-चलित

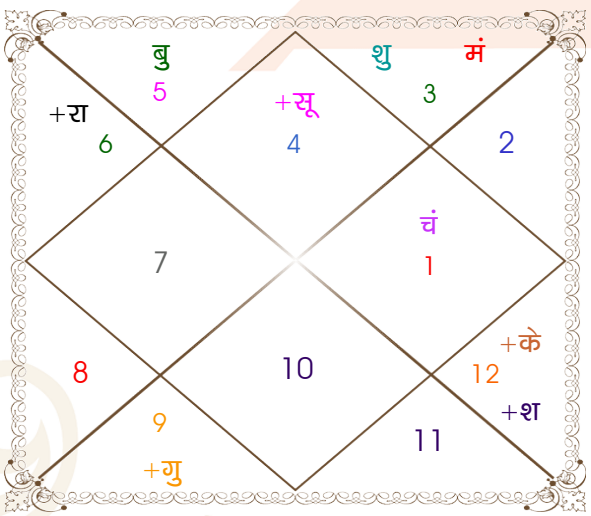

लग्न-चलित

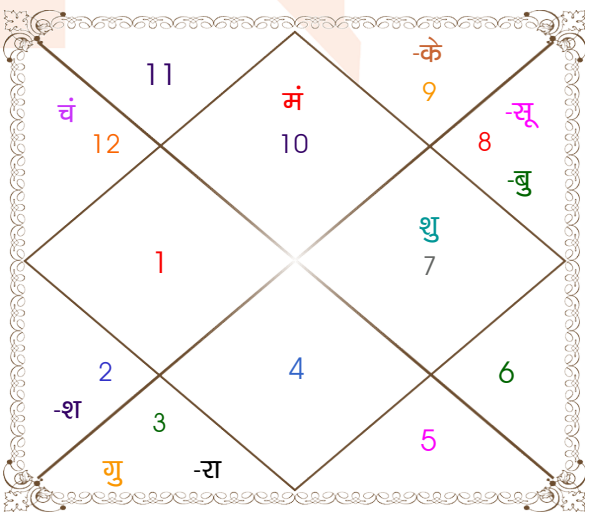

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	अश्व	गौ	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.suraj का वर्ग सिंह है तथा Ms.priti का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.suraj और Ms.priti का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.suraj मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Mr.suraj कि कुण्डली में द्वादश भाव में मिथुन राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Ms.priti मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

यदि वर या कन्या की कुंडली में सप्तम भाव में कर्क राशि तथा लग्न में मकर राशि का मंगल हो तब मंगली दोष समापत समझना चाहिए।

क्योंकि मंगल Ms.priti कि कुण्डली में प्रथम भाव में मकर राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.priti कि कुण्डली में उच्च का है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.priti कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Mr.suraj कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.suraj तथा Ms.priti में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।